Two-day exhibition of rare schoolbooks

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Date: 22-10-2023

Newspaper: Aaj Samaj

हकेवि में दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय



केंद्रीय पुस्तकालय और शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा दो दिवसीय दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलोर के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी में तीन सौ से अधिक दुर्लभ स्कूली पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। ये पुस्तके भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों की औपनिवेशिक

तथा उसके बाद के काल की थीं। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रदर्शनी हमें याद दिलाती है कि शिक्षा एक गतिशील और निरंतर विकसित होने वाली शक्ति है। अतीत ने हमारे शैक्षिक परिदृश्य को कैसे आकार दिया है और आने वाली पीढियों के लिए अपने निर्णयों और नीतियों से अवगत कराने के लिए हम इससे क्या सबक सीख सकते हैं। उन्होंने प्रो. वरदराजन नारायणन के नेतृत्व में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की पुरालेख टीम के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. शर्मा ने पाढयपुस्तक लेखन और पढने के बारे में अपने विचार व अनुभव साझा किए। हकेवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने वक्ताओं का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाढ्यपुस्तक लेखन एवं शोध के संदर्भ में दुर्लभ पाठ्य पुस्तकों की प्रासंगिकता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. नंदकिशोर ने पाढयपुस्तकों में भारतीय ज्ञान प्रणाली के घटकों को शामिल करने के तरीकों पर अपने विचार रखें। आयोजन में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह और श्री नरेश कुमार ने कई विद्यार्थियों को स्कूली पुस्तक संग्रह की उपयोगिता और उनके प्रभावी उपयोग के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह और विभिन्न विभागों के अन्य संकाय सदस्यों सहित आयोजन में दो सौ से अधिक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने सक्रिय प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के अंत में उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala

Date: 22-10-2023

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बैंगलोर के सहयोग से हुआ आयोजन

हकेंवि में लगाई प्रदर्शनी में रखीं 300 से अधिक दुर्लभ स्कूली पुस्तकें

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंबि) महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय और शिक्षक शिक्षा विभाग को ओर से दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय वैंगलोर के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी में 300 से अधिक दुर्लभ स्कूली पुस्तकें प्रदर्शित की गई। ये पुस्तकें भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों की औपनिवेशिक तथा उसके बाद के काल को थी। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन



पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। ज्ञांतः विवि

अपने संबोधन में कहा कि यह प्रदर्शनी शक्ति है। अतीत ने हमारे शैक्षिक परिदृश्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर हमें याद दिलाती है कि शिक्षा एक को कैसे आकार दिया है और आने वाली

कमार ने किया। प्रो. टंकेश्वर कमार ने गतिशील और निरंतर विकसित होने वाली

पीढियों के लिए अपने निर्णयों और नीतियों से अवगत कराने के लिए हम इससे क्या सबक सीख सकते हैं। उन्होंने प्रो. वरदराजन नारायणन के नेतृत्व में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की पुरालेख टीम के प्रयासों की सराहना की।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की ओर से उपस्थित प्रो. वरदराजन नारायणन और श्री सिदुदू ने हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और संकाय सदस्यों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। प्रदर्शनी में पाठ्य-पुस्तकों से संबंधित प्रासंगिक विषयों पर चर्चा का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का सम्मान

किया। प्रो. शर्मा ने पाठवपुस्तक लेखन और पढन के बारे में अपने विचार व अनुभव साझा किए। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने वक्ताओं का परिचय प्रस्तुत किया।

आयोजन में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह, नरेश कुमार ने अनेक विद्यार्थियों को स्कूली पुस्तक संग्रह की उपयोगिता और उनके प्रभावी उपयोग के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. प्रमोद कमार, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह और विभिन्न विभागों के अन्य संकाय सदस्यों सहित आयोजन में 200 से अधिक विद्यार्थी मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran

Date: 22-10-2023

हकेंवि में दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की लगी प्रदर्शनी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगदः हरियाणा (हर्केवि). केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ के पंडित दीनदयाल उपाच्याय केंद्रीय पुस्तकालय और शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा दो दिवसीय दुलंभ स्कुली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया अजीम प्रेमजी गया। विश्वविद्यालय, बॅंगलुरू के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी में तीन सौ से अधिक दुर्लभ स्कुली पुस्तकें प्रदर्शित की गई। ये पुस्तकें भारत और अन्य दक्षिण एशियहां देशों की औपनिवेशिक तथा उसके बाद के काल की थीं। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने किया। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह प्रदर्शनी हमें याद दिलाती है कि शिक्षा एक गतिशील और निरंतर विकसित होने वाली शक्ति है। उन्होंने प्रो. वरदराजन के नेतृत्व में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की पुरालेख टीम के प्रयासों की सराहना की।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की ओर से उपस्थित प्रो. वरदराजन नारायणन और सिंहू ने हर्केवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और संकाय सदस्यों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल आफ एजुकेशन की अधिप्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत



पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार 👳

हाइपोविटामिनोसिस डी के प्रवंधन पर सेमिनार का आयोजन

संबाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग व रिसर्व एंड डेवलपमेंट सेल द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। हाइपोविटामिनोसिस डी के प्रबंधन के लिए बाजरा- आधारित कार्यात्मक खाद्य पदार्थों के हस्तक्षेप विषय पर आधारित यह कार्यक्रम एचएससीएसआईटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत वैज्ञानिक

किया। हकेवि के पुस्तकालयाष्यक्ष डा. संतोष सीएच ने वक्ताओं का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाट्यपुस्तक लेखन एवं शोष के संदर्भ में दुलंभ पाट्य पुस्तकों की प्रासंगिकता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए।

प्रो. नंदकिशोर ने पाठ्यपुस्तकों में

सामाजिक जिम्मेदारी गतिविधि के तहत आयोजित किया गया। विश्व खाद्य दिवस और अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष–2023 के उपलक्ष्य में आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कार्यक्रम में पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष व आयोजन के सह–अध्यक्ष प्रो. कॉति प्रकाश शर्मा और डा. अश्वनी कुमार ने सकिय भूमिका निभाई।

भारतीय ज्ञान प्रणाली के घटकों को शामिल करने के तरीकों पर अपने विचार रखे। प्रो. प्रमोद, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह और विभिन्न विभागों के अन्य संकाय सदस्यों सहित आयोजन में दो सौ से अधिक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने सक्रिय प्रतिभागिता की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi

Date: 22-10-2023

र्केवि में दुर्लम स्कूली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी की गई आयोजित शिक्षा एक नियमित विकसित होने वाली शक्तिः वीसी

प्रवर्शनी में पाट्य पुस्तक के बारे में की गई क्वों

हरिभूमि न्यूज भोगहेटगढ़

तरियाणा केठीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केठीय पुस्तकालय और शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा यो दिवसीय दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का अवयेजन किया गया। अर्जीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बैंगलीर के सहयोग से अवयेजित इस प्रदर्शनी में तीन सी से अधिक पूर्वभ स्कूली पुस्तके प्रदर्शित की गई। ये पुस्तक भारत और अन्य



पुस्तक प्रदर्शना क दारान उपास्थत आताथ व शिक्षक । कादाः सरभूम एशियाई देशों की दिलाली है कि शिक्षा एक गतिशील

दक्षिण एशियाई देशों की औपनिवेशिक तथा उसके बाद के काल की थी। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्पाटन विश्वविद्यालय कुलप्रांत प्रे. टंकेश्वर कुमार ने किया। प्रे. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रदर्शनी हमें याद

और निरंतर विकसित होने वाली शांकत है। अतीत ने हमारे शीक्षक परिदृश्य

को कैसे आकार दिया है और अग्ने बाली पीड़ियों के लिए अपने निर्णयों और नीतियों से अवगत कराने के

पुस्तक संबाह की बताई उपयोगिता

प्रे. नवकिलोर ने पाइन्वपूलतकों में मारलेव हान प्रभाली के प्राटकों को लामिल करने के तरीकों पर आजने विचार रखे। खानाका पुरस्कालकाखा हो किनेव कुमार लिंह और मरेल कुमार से कई विचारीयों को स्कूल पुरस्का उनके जवार उपवेशिल और उनके प्रमते उपवेश के बारे में प्रकाश हाना। कार्यक्रम का उपवेशित और उनके प्रमते प्रजीत के बारे में प्रकाश हाना। कार्यक्रम के वीचला मुझार देहांकित हाँ, किनेव मेंका ने किया कार्यक्रम के बीरन प्रे. प्रमंब कुमार प्री. विजेश पहल, प्री. जीरक लिंहा जीविक्स किमानों के जनक उंधार प्रदर्शन संहत आरंधका में को ने अधिक विचार्यकों पर संपार्थितों के उधिका प्रतिसामित की कार्यक्रम के प्रो. जन में उप पुरस्कालकायह ही राजवे वर्तनार के व्यवयाद हाणित किया।

लिए हम इससे क्या सबक सौख अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय को सकते हैं। उन्होंने प्रो. वस्टराजन नारायणन के नेतृत्व में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की पुरालेख टीम के प्रयासी की सराहना की। का सहयोग के लिए आधार व्यक्त

किया। प्रदर्शनी में पाठय-पुस्तकों से संबंधित प्रासंगिक विषयों पर चर्चा का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के खैरान स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता थ्रो. सरिका शर्मा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. शमां ने पाठवपुस्तक लेखन और पहने के बारे में अपने विचार व अनुभव साझा किए। इकेंवि के प्रतकालयाध्यक्ष जी, संतोष सीगच में वक्ताओं का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यपुस्तक लेखन एवं शोध के संदर्भ में दुर्लभ पाठ्य पुस्तकों को प्रासंगिकता के संबंध में आपने विचार व्यक्त किए।